अपने अन्दर के हीरो को पहचानिए उसकी खोज करिए – बी. के. चन्द्रिका दीदी

बार- बार स्वयं की कमियों का चिंतन करने की वजह स्वयं की विशेषताओं का चिंतन करें – बी. के. कृति दीदी

जितना हम स्वयं में परिवर्तन कर नवीनता लायेंगे उतना ही हम जीवन में उमंग उत्साह का अनुभव करेंगे – बी. के. अवधेश दीदी

ग्वालियर: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं भगिनी संस्था राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के युवा प्रभाग की 'अखिल भारतीय प्रदर्शनी बस अभियान - मेरा भारत स्वर्णिम भारत' का आज ग्वालियर शहर में भव्य स्वागत किया गया साथ ही एक पैदल शोभा यात्रा का आयोजन हुआ| जिसका शुभारम्भ पूर्व साडा अध्यक्ष श्री राकेश जादौन ने झंडी दिखाकर किया यह यात्रा दोपहर 3:30 बजे से रामदास घाटी तिराहा से प्रारंभ होकर, शिंदे की छावनी, गुरुद्वारा, नदीगेट, इंदरगंज होते हुए 5:30 चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स पहुंची जहाँ ग्वालियर शहर के जन साधारण के लिए आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्रह्माकुमारीज संस्थान के युवा प्रभाग की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा राजयोगिनी बी. के. चन्द्रिका दीदी, राष्ट्रीय संयोजिका बी. के. कृति दीदी एवं म. प्र. भोपाल जोन की निदेशिका राजयोगिनी बी. के. अवधेश दीदी जी, बी. के. निर्मला दीदी(रीवा),संत श्री कृपाल सिंह जी महाराज,श्री मुन्ना लाल गोयल(विधायक),श्री प्रवीण अग्रवाल(मानसेवी सचिव चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स),श्री प्रदीप कश्यप, बी.के. रेखा दीदी(सीधी), बी. के. आदर्श दीदी (सेवाकेंद्र संचालिका लश्कर), बी. के. ज्योति बहन (मालनपुर), बी. के. प्रहलाद भाई आदि उपस्थित थे| साथ ही बस यात्रा में सारे देश से शामिल हुए ब्रह्माकुमारीज संस्थान के युवा भाई-बहिन यात्रा मेनेजर बी. के. अवनीश भाई(माउंट आबू), यात्रा इन्चार्ज बी. के. आशा दीदी(अजमेर), बी. के. किरण (नयी दिल्ली), बी. के. किरण बहिन(सूरत), बी. के. दिव्या बहिन(पानीपत), बी. के. सुभाष भाई(गोदारा गुजरात), बी. के. जगदीश भाई(सिरसा हरियाणा), बी. के. कमलजीत भाई(पंजाब),बी. के. मनीष भाई(बिहार), बी. के. रमण भाई(हरियाणा), बी. के. विकास भाई(राजस्थान), बी. के. पियूष भाई(मध्यप्रदेश), बी. के. राकेश भाई(म. प्र.) शामिल हुए|

बी. के. चन्द्रिका दीदी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अपने अन्दर के हीरो को पहचानिए उसकी खोज करिए |जिस प्रकार कस्तूरी म्रग के बारे में कहा गया है कि वह अपने ही शरीर के अन्दर से आने वाली सुगंध की खोज चारों ओर करता रहता है लेकिन वह जिस सुगंध को खोज रहा होता है वह उसके अन्दर से ही आ रही होती है उसी प्रकार मनुष्य खासतौर पर उमंग, उत्साह जोश से भरा हुआ हमारा युवा वर्ग आज वह स्वयं की क्षमताओं, शक्तियों और गुणों को भुला बैठा है उसमें जीवन मूल्यों का ह्रास देखने को मिलता है|

बी. के. निर्मला दीदी ने कहा कि आज युवाओं को महात्मा गाँधी के इस कथन को जीवन में उतारने की आवश्यकता है " खुद वह बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं|" उन्होंने सभी को राजयोग मैडिटेशन की उपयोगिता बताते हुए कहा कि राजयोग से ही हमारे जीवन में मूल्यों का विकास होता है और मूल्यवान व्यक्ति ही सही अर्थों में समाज व राष्ट्र का विकास कर सकता है विश्व को एक नयी दिशा दे सकता है|

बी. के. कृति दीदी ने कहा कि वर्तमान परिवेश में हमने स्वतंत्रता अर्थात् आजादी के नाम पर अच्छे बुरे मानदंडों, नियमों को कुचल दिया है और अधिकतर युवाओं ने उन आदतों को अपना लिया है या अपनाना चालू कर दिया है जो उसके लिए हानिकारक है आज का युवा कई प्रकार के व्यसनों के अधीन हो गया है और अपने जीवन को गलत दिशा में ले जा रहा है|

यात्रा इन्चार्ज बी.के. आशा दीदी ने बस यात्रा के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए बताया कि स्वच्छता अनेक प्रकार की हो सकती है शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, नैतिक, आध्यात्मिक| वर्तमान समय मनुष्य सिर्फ अंगशुद्धि से अधिक कुछ करना नहीं जानता| वह अपने विचारों को,व्यवहार को, सम्बन्ध-संपर्क को शुद्ध रखना भूल गया है| आज वर्तमान समय हमारे मन के अन्दर नकारात्मकता की गन्दगी आ गयी है जिसके परिणाम स्वरूप हमारे कर्मों में भी स्वच्छता दिखाई नहीं देती |

बी. के. अवधेश दीदी ने बताया कि वर्तमान समय के अनुसार आज हम सभी को Relex Recharge व Rejuvenate होने की आवश्यकता है|

|

कार्यक्रम के अंत में विभिन्न समाज सुधारक संगठन, युवा संगठन आदि के द्वारा बी. के. चन्द्रिका दीदी और बी. के. कृति दीदी का सम्मान किया गया| कार्यक्रम का कुशल संचालन बी. के. रेखा दीदी के द्वारा किया गया और अंत में बी. के. प्रहलाद भाई के द्वारा सभी का आभार किया गया|